राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो लखनऊ द्वारा 24वें राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस का आयोजन

लखनऊ, 10 जुलाई 2024

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो लखनऊ द्वारा दिनांक 10 जुलाई 2024 को "24वें राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस एवं एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बिजेंद्र सिंह, माननीय कुलपति, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज-अयोध्या ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त मत्स्य पालकों, गणमान्य अतिथि व सभी को संबोधित करते हुए कहा कि देश में बढ़ती जनसंख्या के पोषण हेतु मत्स्य उत्पादन एवं स्वस्थ जीवन हेतु हरे पेड़ों के पौधरोपण को बढ़ाना एक प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने खाद्य मछली व रंगीन मछलियों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर देते हुए सभी को मात्स्यिकी के हर क्षेत्रों में तथा मात्स्यिकी शिक्षा पर अत्यधिक प्रयास करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अध्यक्षीय भाषण में संस्थान के निदेशक डॉ. उत्तम कुमार सरकार ने सभी को कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक सम्मिलित होने हेतु शुभकामनाये देते हुए दिवस की महत्ता पर जोर दिया तथा "एक पेड़, माँ के नाम" कार्यक्रम की महत्ता पर विशेष जानकारी दी। डॉ. सरकार ने मत्स्य पालकों को जागरूक करते हुए विकसित भारत हेतु भरपूर प्रयास करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथिगण डॉ. सुधीर रायजादा, पूर्व सहायक महानिदेशक, आईसीएआर, नई दिल्ली; डॉ. ऐ. के. सिंह, पूर्व निदेशक, शीतजल मात्स्यिकी संस्थान, भीमताल; डॉ. आई. जे. सिंह, पूर्व संकायाध्यक्ष, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, पंतनगर; डॉ. कुलदीप कुमार, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, भुबनेश्वर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा दिवस की महत्ता पर सभी को जागरूक किया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने "मत्स्य संरक्षण तथा आय सृजन हेतु उन्नत मत्स्य पालन तकनीकियाँ" विषय पर एक मार्गदर्शिका का विमोचन किया।

मत्स्य पालकों की जागरूकता हेतु संस्थान द्वारा मत्स्य रोग उपचार कार्यक्रम हेतु विकसित मोबाइल ऐप्प "रिपोर्टफिशडिजीज" तथा सर्दियों में मछलियों में लगने वाले कवक रोग उपचार हेतु संस्थान द्वारा विकसित 'ऊनील' दवा के बारे में संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नीरज सूद ने सभी को जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों ने भिन्न-भिन्न तकनीकों की उपयोगिता के माध्यम से मत्स्यपालन हेतु मत्स्य पालकों से संवाद के साथ साथ फार्म पर परिपक्व ब्रूडर्स की पहचान, प्रेरित प्रजनन प्रोटोकॉल, लार्वा पालन अभ्यास, बीज पैकिंग प्रक्रिया, ड्रोन प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों को प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत लखनऊ व बाराबंकी जनपद के 50 मत्स्य पालकों को मत्स्यपालन व बिक्री के क्षेत्र में उपयोग हेतु विभिन्न सामान जैसे- आइस बॉक्स, हांडी, इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस, कास्टनेट, छाता व टी-शर्ट, आदि वितरित किया गया। चार मत्स्य पालकों को 'प्रगतिशील मत्स्य पालक' पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय कार्यों में सहयोग हेतु तीन मत्स्य विकास अधिकारियों, श्री आफाक खान, श्री हेमंत कुमार वर्मा एवं श्री विवेक निगम को भी उनके विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया।